B- III
L- 25
Economy

वित्तीय बाजार के साधन एवं संरचना

नोट :- CDs (Certificates of Deposit) निम्न के द्वारा निकाले जा सकते हैं।

(i) वाणिज्यिक बैंक
(ii) अखिल भारतीय स्तर के वित्तीय संस्थान

इनकी अवधी 7 दिन से लेकर एक वर्ष तक की हो सकती है। ये भी unsecured होते हैं तथा Discount पर निकाले जा सकते हैं।

नोट :-
Commercial Bills व्यापारी वर्ग द्वारा निकाले जाते हैं इनकी अवधि सामान्यतः तीन महीने की होती है भारत में अभी यह लोकप्रिय नहीं है

नोट :-
ट्रेजरी बिल रिजर्व बैंक द्वारा भारत सरकार की ओर से जारी किए जाते हैं ध्यान देने योग्य है कि राज्य सरकारें इन्हें जारी नहीं करवा सकती है। (UPSC PT)
इनके माध्यम से सरकार अल्पकालिक तरलता की समस्या का समाधान करती है

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES

ये पूर्णरूप से Secured होते हैं तथा discount पर निकाले जाते हैं अर्थात ये zero coupon Security होते हैं।

वर्तमान में भारत में निम्नलिखित प्रकार के ट्रेजरी बिल जारी किये जाते हैं-

(i) 91-day TB

(ii) 182-day TB

(iii) 364-day TB

यह ध्यान देने योग्य है कि The RBI Retail Direct Scheme के अन्तर्गत रिटेल निवेशक (छोटे निवेशक) सीधे T-B समेत कई प्रकार की G-Sec खरीद सकते है।

इस सन्दर्भ में इन्हे RDG (Retail Direct Gilt) A/C खुलवाना पड़ता है

नोट :-

कैश मैनेजमेंट बिलस् 2010 में शुरू किए गए। ये ट्रेजरी बिल के समान होते है लेकिन दो मामलों में ये उनसे अलग होते है

(i) इनकी अवधि 91 दिन से कम होती है।

(iii) इनकी अवधी को लेकर कोई पूर्व निर्धारित मानक नही है

नोट- भारत में मुद्रा बाजार का नियमन रिजर्व बैंक करता है

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

कम्पनियों को प्राप्त होने वाली पूँजी

- भागीदारी देने वाली पूँजी
  Participatory
  - अंश-पूँजी (Share-capital)
    - अंशपत्र (Shares)
      - Equity shares (समता अंशपत्र)
      - Preference Shares (अधिमान अंशपत्र)
- भागीदारी नहीं देने वाली पूँजी
  Non-participatory Capital
  - ऋण-पूँजी (Debt-capital)
    - बॉन्ड
    - डिबेन्चर ऋणपत्र

Equity shares (समता अंशपत्र)

(i) मुनाफे मे अधिमान नही मिलता है।

(ii) मुनाफे की दर निश्चित नही होती है।

(iii) हानि ग्रहण करते हैं।

(iv) देयता ग्रहण करते हैं।

- Limited — इक्विटी की फेस Value तक,
- Unlimited — कोई सीमा नही

Preference Shares (अधिमान अंशपत्र)

(i) मुनाफे के वितरण में अधिमान मिलता है।

(ii) मुनाफे की दर निश्चित होती है।

(iii) हानि ग्रहण नही करते हैं।

(iv) देयताएँ ग्रहण नहीकरते।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform

(v) मताधिकार मिलते हैं

(v) मताधिकार नहीं मिलते हैं।

भारत के प्रतिभूति बाजार की संरचना

- NIM = New Issue Market
  - प्राथमिक बाजार (Primary Market)
  - कंपनियों द्वारा पूँजी एकत्र की जाती है
  - नई प्रतिभूति जारी करती है
  - IPO
  - FPO
  - OFS
  - Private Placement
  - QIP
  - Rights Issue
- OIM: old issue Market
  - द्वितीयक बाजार (Secondry Market)
  - लोगों द्वारा तरलता प्राप्त की जाती है।
  - पहले से जारी प्रतिभूति का लेन-देन होता है।
  - शेयर बाजार NSE, BSE आदि

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR